नेपा लिमिटेड ने रचा एक नया इतिहास, श्री गणेश चतुर्थी के पावन अवसर पर लेखन और मुद्रण कागज का उत्पादन किया प्रारंभ

नेपानगर(मोहम्मद इकबाल)। भारत सरकार के सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम नेपा लिमिटेड ने अपनी स्थापना तथा राष्ट्रीयकरण से लेकर आधुनिकीकरण तक की 75 वर्षों की लंबी यात्रा में पहली बार मंगलवार को श्री गणेश चतुर्थी के पावन अवसर पर लेखन और मुद्रण कागज का उत्पादन प्रारंभ किया। केंद्रीय भारी उद्योग मंत्री डॉ. महेंद्रनाथ पांडेय ने भी मिल की इस उपलब्धि पर ट्वीट कर शुभकामनाएं देते हुए कहा है कि 卐श्री गणेश चतुर्थी पर भारी उद्योग मंत्रालय के उपक्रम नेपा लिमिटेड ने बार लेखन और मुद्रण कागज का निर्माण कर अपने गौरवपूर्ण इतिहास में एक और कीर्तिमान स्थापित किया है। इस उपलब्धि से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आत्मनिर्भर भारत के विजन को और अधिक बल मिलेगा। गौरतलब है कि

एशिया महाद्वीप की सबसे पुरानी और बड़ी पेपर मिलो में शुमार भारत सरकार के भारी उद्योग और लोक उद्यम मंत्रालय के अंतर्गत संचालित नेपा लिमिटेड के नवीनीकृत संयंत्रों का 23 अगस्त, 2022 को केंद्रीय भारी उद्योग मंत्री डॉ. महेंद्रनाथ पांडेय ने, क्षेत्रीय सांसद ज्ञानेश्वर पाटिल, केंद्रीय भारी उद्योग मंत्रालय के सचिव और अधिकारीगण, क्षेत्रीय विधायक श्रीमती सुमित्रा कास्डेकर पूर्व मंत्री श्रीमती अर्चना चिटनीस एवं नेपानगर के सम्मानीय जनप्रतिनिधिगण और सामान्य जनमानस की उपस्थिति में लोकार्पण किया था जिससे यह मिल पुनः एक बार व्यावसायिक उत्पादन के लिए तैयार हो चुकी है। आप को बतादे अब यहां दो प्रकार का कागज तैयार किया जा रहा है एक तो पुराने कागज और रद्दी को रिसाइकिल करके अखबारी कागज (न्यूज प्रिंट) जिसके लिए इसका नाम उद्योग जगत के इतिहास में स्वर्णिम अक्षरों में दर्ज है तो वहीं दूसरी ओर अब लेखन और मुद्रण कागज का उत्पादन भी है प्रारंभ हो चुका इस उपलब्धि पर हर्ष व्यक्त करते हुए संस्थान के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक द्वारा समस्त अधिकारियों- कर्मचारियों की कर्तव्यनिष्ठा और अथक परिश्रम की सराहना करते हुए कहा कि 卐आत्मविश्वास से आत्मनिर्भरता卐 हेतु हमें इसी प्रकार से सामंजस्य के साथ लगातार प्रतिस्पर्धी बाजार की आवश्यकता के अनुरूप अपना बेहतरीन प्रदर्शन निरंतर जारी रखना होगा ताकि नेपा अपने गौरवशाली इतिहास के साथ साथ आधुनिक उद्योग जगत में भी स्वावलंबन के साथ अपनी सशक्त भूमिका निभा सके।

स्वदेश

खंडवा - मुख्य संस्करण

Date 21 Sep 2023

पीएम के आत्मनिर्भर भारत विजन को मिली सफलता

नेपा मिल ने आधुनिकीकरण के बाद पहली बार किया लेखन और मुद्रण का कागज उत्पादन शुरू

स्वदेश समाचार ■ बुरहानपुर

भारत सरकार के सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम नेपा लिमिटेड ने अपनी स्थापना तथा राष्ट्रीयकरण से लेकर आधुनिकीकरण तक की 75 वर्षों की लंबी यात्रा में पहली बार मंगलवार को गणेश चतुर्थी के पावन अवसर पर लेखन और मुद्रण कागज का उत्पादन प्रारंभ किया।

केंद्रीय भारी उद्योग मंत्री डॉ. महेंद्रनाथ पांडेय ने भी मिल की इस उपलब्धि पर ट्वीट कर शुभकामनाएं देते हुए कहा कि, गणेश चतुर्थी पर भारी उद्योग मंत्रालय के उपक्रम नेपा लिमिटेड ने पहली बार लेखन और मुद्रण कागज का निर्माण कर अपने गौरवपूर्ण इतिहास में एक और कीर्तिमान स्थापित किया है। इस उपलब्धि से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आत्मनिर्भर भारत के विजन को और अधिक बल मिलेगा। एशिया महाद्वीप की सबसे पुरानी और बड़ी पेपर मिलों में शुमार भारत सरकार के भारी उद्योग और लोक उद्यम मंत्रालय के तहत संचालित नेपा लिमिटेड के नवीनीकृत संयंत्रों का 23 अगस्त 2022 को केंद्रीय भारी उद्योग मंत्री डॉ. महेंद्रनाथ पांडेय ने क्षेत्रीय सांसद ज्ञानेश्वर पाटिल, केंद्रीय भारी उद्योग मंत्रालय के सचिव और अधिकारीगण, विधायक सुमित्रा कास्डेकर, पूर्व मंत्री अर्चना चिटनीस व नेपानगर के जनप्रतिनिधिगण और सामान्य जनमानस की उपस्थिति में लोकार्पण किया था, जिससे यह मिल पुनः एक बार व्यावसायिक उत्पादन के लिए तैयार हो चुकी है। अब यहां दो प्रकार का कागज तैयार किया जा रहा है एक तो पुराने कागज और रद्दी को रिसाइकिल कर अखबारी कागज न्यूज प्रिंट के लिए।

अध्यक्ष सह प्रबंध निदेशक ने जताया हर्ष- संस्थान के अध्यक्ष व सह प्रबंध निदेशक ने समस्त अधिकारियों, कर्मचारियों की कर्तव्यनिष्ठा और अथक परिश्रम की सराहना करते हुए कहा कि, आत्मविश्वास से आत्मनिर्भरता के लिए हमें इसी प्रकार से सामंजस्य के साथ लगातार प्रतिस्पर्धी बाजार की आवश्यकता के अनुरूप अपना बेहतरीन प्रदर्शन निरंतर जारी रखना होगा।

दैनिक भास्कर
इंदौर 21-09-2023

प्रदेश में पहली बार लेखन और मुद्रण कागज तैयार

बुरहानपुर जिले की नेपा मिल ने हासिल की उपलब्धि

नंदकिशोर सुने | नेपानगर

प्रदेश में पहली बार किसी कागज कारखाने में लेखन और मुद्रण का कागज तैयार हुआ है। यह कीर्तिमान नेपा मिल ने स्थापित किया है। इसको लेकर केंद्रीय भारी उद्योग मंत्री डॉ. महेंद्रनाथ पांडे ने ट्विट कर जानकारी दी। इसमें उन्होंने कहा है गणेश चतुर्थी पर भारी उद्योग मंत्रालय के उपक्रम नेपा लिमिटेड ने पहली बार लेखन और मुद्रण कागज का निर्माण कर अपने गौरवपूर्ण इतिहास में एक और कीर्तिमान स्थापित किया है। इस उपलब्धि से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आत्मनिर्भर भारत के विजन को और अधिक बल मिलेगा

23 अगस्त 2022 को केंद्रीय भारी उद्योग मंत्री डॉ. महेंद्रनाथ पांडेय ने नेपा मिल के पुर्नरूद्धार का भूमिपूजन किया था। यह देश की ऐसी पहली मिल है, जिसके नाम 1995 में गुलाबी समाचार पत्र बाजार में उतारने का भी रिकॉर्ड दर्ज है। अब यहां दो प्रकार का कागज तैयार किया जा रहा है। वेस्टेज कागज से लुगदी बनाकर न्यूज प्रिंट कागज तैयार किया जा रहा है, वहीं दूसरा राइटिंग प्रिंटिंग पेपर है। इसके लिए रॉ मटेरियल कोटेड किताबें, अच्छी क्वालिटी के पुराने ऑफिस पेपर और अन्य रिसाइकिल पेपर का उपयोग किया जा रहा है। पहले मिल की उत्पादन क्षमता 88 हजार टीपीए प्रतिवर्ष थी, जो अब 1 लाख टीपीए प्रतिवर्ष से अधिक हो

गई है। यहां आधुनिक मशीनें लगाई गई हैं। नेपा मिल में दोबारा उत्पादन शुरू होने में 7 साल का लंबा समय लगा। 2015-16 में यहां पूरी तरह से उत्पादन बंद कर मिल का रिनोवेशन शुरू किया गया था। डी-इंकिंग प्लांट, ईटी प्लांट, दो रिमांइडर हैंडलिंग प्लांट, दो कंट्रोल केप्टिव प्लांट और बॉयलर सहित अन्य नवनिर्माण किए गए। भारत सरकार के सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम नेपा लिमिटेड ने अपनी स्थापना तथा राष्ट्रीयकरण से लेकर आधुनिकीकरण तक की 75 वर्षों की लंबी यात्रा में पहली बार मंगलवार को गणेश चतुर्थी पर लेखन और मुद्रण कागज का उत्पादन शुरू किया।

469 करोड़ रुपए की लागत से पुनः अस्तित्व में आई मिल : 2015-16 में मिल का रिनोवेशन शुरू हुआ। करीब 469 करोड़ की लागत से मिल दोबारा अस्तित्व में आई। पहले यहां वनोपज आधारित अखबारी कागज बनता था यानी सलाई और बांस से कागज निर्माण होता रहा। किन बाद में वेस्टेज पेपर से लुगदी बनाकर कागज बनाया जाने लगा। 2012 में पहला आर्थिक पैकेज मिला। कुछ साल मिल बंद भी रही। मिल में छह से अधिक देशी-विदेशी कंपनियों ने काम किया।

उपलब्धि नेपा मिल में 75 साल बाद गणेश चतुर्थी से शुरू हुआ उत्पादन

शुरू हुआ सफेद राइटिंग कागज का उत्पादन

बुरहानपुर/नेपानगर (नईदुनिया प्रतिनिधि)। अखबारी कागज का उत्पादन करने वाले एशिया के पहले और सबसे बड़े कारखाने नेपा मिल में 75 साल बाद सफेद राइटिंग कागज का उत्पादन शुरू हो गया है। सोमवार को मिल प्रबंधन ने इसका ट्रायल किया था और गणेश चतुर्थी से उत्पादन शुरू कर दिया। मिल प्रबंधन ने अखबारी कागज को रीसाइकिल कर 58 जीएसएम के सफेद कागज के रोल तैयार किए हैं। इस पेपर की ब्राइटनेस 75 प्लस है। इस कागज का उपयोग विभिन्न तरह की लेखन और मुद्रण सामग्री में किया जा सकेगा। जनसंपर्क अधिकारी संदीप ठाकरे ने बताया कि नेपा मिल की इस उपलब्धि को लेकर केंद्रीय भारी उद्योग मंत्री डा. महेंद्र नाथ पांडेय ने भी ट्वीट किया है। उल्लेखनीय हैं कि केंद्र सरकार से मिले रिवाइवल पैकेज से तेरह माह पूर्व ही नेपा मिल का नवीनीकरण कर नए सिरे से प्रारंभ किया गया था। मिल प्रबंधन ने पेपर बनाने वाली अन्य आधुनिक मशीनों के साथ ही डी-इंकिंग प्लांट भी लगाया है। यह प्लांट अखबारी कागज से स्याही को अलग करने का काम करता है। मिल प्रबंधन काफी समय से सफेद कागज तैयार करने का प्रयास कर रहा था। इन प्रयासों को अब जाकर सफलता मिली है।

नेपा मिल में बनाया गया सफेद राइटिंग पेपर रोल। ● नईदुनिया

सीमित मानव संसाधनों से पाई सफलता : नेपा मिल की स्थापना के करीब 75 साल पूरे हो चुके हैं। इस सफर के बीच में करीब नौ साल तक आर्थिक तंगी और नवीनीकरण के कारण मिल बंद रही। गत वर्ष 23 अगस्त को केंद्रीय भारी उद्योग मंत्री महेंद्रनाथ पांडेय ने नवीन संयंत्रों का शुभारंभ किया था। इसके बाद नए सिरे से कागज का उत्पादन शुरू हुआ। कारखाने में पूर्व में करीब चार हजार कर्मचारी काम करते थे। नवीनीकरण के बाद मिल में 230 अधिकारी, कर्मचारी काम कर रहे हैं। सीमित मानव संसाधनों के बावजूद मिल ने अच्छी गुणवत्ता का सफेद कागज कर कीर्तिमान रच दिया है। अब मिल में अखबारी कागज के साथ व्यावसायिक कागज का उत्पादन भी शुरू हो गया है।